

द्वयं चूर्णावामन्नं MM. 6.) संसर्गेण MM. 7.) भ्यां यथाय MM. असि - विपरि-
णामः is wanting in A. 8.) दधन्वान् A (the Pada). J in the Padapāṭha,
but दधन्वा यो in the Samhitāpāṭha. See २७. २३. प्रातिशा ३. ७. ८. 9.) चै-
न्द्रेणोत्तमे नेः तितिसृणां MM. 10.) निशी MM. रक्षितं - तेनैव मन्त्रेण is wan-
ting in A. 11.) स दृष्ट्वा दौहितेन MM. 12.) वायोः होमपवित्रेण MM. 13.)
उत्तर A. उत्तरे दै MM. 14.) व्याघ्रिः A. MM. 15.) अनुपकृतं A. अनुपकृतं
MM. 16.) पानचालनी A. पावनं बालना MM. 17.) यद्विः क्रियते तत्सौ
MM. 18.) इदमर्थः MM. 19.) पर्युतिः परिवां A. पर्युत्युपरिवां MM. 20.) द-
धिनिक्षिप्ते धनभां MM. दधि क्षिप्ते धनमाग A. 21.) शर्तातृणाभ्यां A (शतातृ-
णाभ्यां?). सशतहिद्राभ्यां MM. 22.) आसिव्यपु बुद्धिः A. 23.) संवृतः कटुकिमेति
A. भवत्यवृतः कटुकिस्तेति MM. 24.) श्रिभ्यामानिनमं A. श्रिमीतमं MM.
25.) विशेषणात् विशेषणवादितिद्धिः MM. The whole passage from कर्मभिः -
शिनेन is wanting in A. 26.) नाशेषासति MM. 27.) मायत्रीवृषं A. गायः?
28.) उत्तरे च the mss. of Kāty. 29.) is wanting in A. 30.) णडाः । यमेमे
MM. णडाः समेमे A. 31.) पावनानन्तरं A. पाठनां? 32.) उत्ती is wanting.
33.) ?पुनः । स्तधनं A. पुनः । सधनं कुर्वतः MM. 34.) आद्वेः श्रुत्सु A. श्रुत्वे-
स्मत्सु MM. 35.) कुतय चासने दधादिति श्रुतेः MM. 36.) श्रुतिमुखाद् MM.
37.) शय्यक्रं A. शय्यक्रं MM. 38.) पत्तं MM. 39.) I do not see this सं in
the text. 40.) रुद्रपर्वतनी MM. 41.) चरुभिः । स्रविः MM. 42.) पेशलानि
गृह्णा पेशलं हिं A. हिरण्यवृष्ययोर्नाम शेषलानि गृह्णाति हिरण्यवद्रू MM.
43.) सर्वं च MM. सर्वं न A. 44.) मूत्रयाज्ञः 45.) बंधभावं A. 46.) उत्तानि
पेशः श्रुक्रं सितं असितं कृष्णं च नेत्रगतवृषाणि वसाते आह्लादयेत कुर्वते इत्यर्थः
MM. उत्तानि चक्षुनि लोमां A. 47.) एकोनविंशो MM. —

Adhyāya XX. kaṇḍ. १, २, १०-३३ are explained in the Ṣaṭap. Br. १२, ८, ३, ८-१,
२, १०. — kaṇḍ. १-१० (with the exception of २१, ५३, ५४.) are quoted by Kā-
tyāyana ११, १, १२-७, १. —

1.) प्रष्ट देशो A. 2.) त्रयेति A. MM. 3.) साना देवत्या A. 4.) देशगमं